जीवन बीमा के बिना वित्तीय स्वतंत्रता नहीं

जीवन बीमा ऐसा उत्पाद है, जो हर उस व्यक्ति के लिए आवश्यक है, जिस पर कुछ परिजन निर्भर हैं। हमारे लिए यह जरूरी है कि हम अपने प्रियजनों को जीवन की अनिश्चितताओं से बचायें। महामारी के दौरान यह जरूरत बहुत बढ़-चढ़ कर दिखी। हालाँकि, जब इस अनूठे उत्पाद को खरीदने की बात आती है तो लोग अभी भी टालमटोल करते हैं।

जोखिम प्रबंधन पूरी तरह से अनिश्चितताओं के प्रबंधन के बारे में है। एक समाधान के रूप में जीवन बीमा जोखिम से बचाव के तीन मूलभूत सिद्धांतों को संबोधित करता है जिसमें मृत्यु दर, रुग्णता और दीर्घायु शामिल हैं।

सावधि बीमा (टर्म इंश्योरेंस) उत्पाद यह सुनिश्चित करते हैं कि परिवार में कमाने वाले मुख्य व्यक्ति को कुछ भी होने की स्थिति में हमारे परिवार आर्थिक रूप से सुरक्षित रहें। जीवन बीमा कंपनियों द्वारा पेश किये गये गंभीर बीमारी (क्रिटिकल इलनेस) से संबंधित उत्पाद यह सुनिश्चित करते हैं कि यदि कैंसर और हृदय रोगों जैसी बड़ी बीमारियों के इलाज की प्रक्रिया में हमें भारी मात्रा में पैसा खर्च करना पड़े या हम कमा सकने की स्थिति में न रह जायें, तो भी हमारे परिवार आर्थिक रूप से सुरक्षित रहें।

जीवन बीमा कंपनियों द्वारा पेश किये गये बचत और निवेश उत्पाद हमारे महत्वपूर्ण वित्तीय लक्ष्यों, जैसे कि घर खरीदना, बच्चों की उच्च शिक्षा, हमारी सेवानिवृत्ति की योजना बनाना आदि से चूक जाने के जोखिम को कम करते हैं। इन लक्ष्यों पर वित्तीय सुरक्षा के अतिरिक्त जाल का मतलब है कि कमाने वाले मुख्य व्यक्ति की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की स्थिति में भी परिवार ऐसे लक्ष्यों को पूरा कर सकता है।

लाइफ फ्रीडम इंडेक्स (एलएफआई)

एचडीएफसी लाइफ ने एक जीवन स्वतंत्रता सूचकांक या लाइफ फ्रीडम इंडेक्स (एलएफआई) विकसित किया है, जो विभिन्न श्रेणियों में व्यक्तियों की वित्तीय तैयारियों को मापता है। एलएफआई शहरी भारतीय उपभोक्ताओं की वित्तीय स्वतंत्रता की स्थिति, उपलब्ध उत्पादों के बारे में उनकी जागरूकता, वित्तीय योजना की पर्याप्त एवं यथेष्ट होने और सबसे ऊपर, उनकी वित्तीय स्वतंत्रता की वर्तमान स्थिति का आकलन करता है।

हमारे पिछले सर्वेक्षणों ने कई बिंदुओं को सामने रखा है, जो इस प्रकार हैं :

- महामारी के बाद अपनी वित्तीय तैयारियों के बारे में उपभोक्ताओं का आत्मविश्वास कम है
- महानगरों और एकल परिवारों पर महामारी के समय अधिक प्रभाव पड़ा, जबकि छोटे शहरों और संयुक्त परिवारों में अधिक स्थिरता रही
- वित्तीय स्वास्थ्य को अधिक प्राथमिकता दी जाने लगी है - लोग आर्थिक वृद्धि, अपने रोजगार और आय घटने/छिनने से सिर पर चढ़ते कर्ज को लेकर चिंतित दिखते हैं

ऊपर रखे गये निष्कर्ष लंबे समय से चली आ रही कुछ आदतों के शुद्ध असर को सामने लाते हैं – बीमा के बारे में जागरूकता की कमी, पर्याप्त बीमा नहीं कराना, जीवन चले जाने जैसी किसी घटना के लिए तैयारी नहीं करना, आदि।

जीवन बीमा से कैसे मिलेगी वित्तीय स्वतंत्रता

एक सेवानिवृत्त व्यक्ति के लिए वित्तीय स्वतंत्रता का बहुत अधिक महत्व है। अपने बच्चों पर निर्भर होना शायद हर किसी के लिए अपने स्वर्णिम वर्षों में जीवन बिताने का मनचाहा तरीका नहीं हो। जीवन बीमा के क्षेत्र में ऐसी कई योजनाएँ उपलब्ध हैं, जो व्यक्तियों को अपने रिटायर होने के बाद की योजना तैयार करने में सक्षम बनाती हैं।

इसके अलावा, वे अपनी संचित निधि से पेंशन या वार्षिक भत्ता (एन्युटी) पा सकते हैं, जिसके लिए जीवन बीमा कंपनियों के पास कई विकल्पों के साथ एन्युटी प्लान उपलब्ध हैं। इस तरह वे पैसे खत्म हो जाने के डर के बिना जीवन भर अपने लिए एक स्थिर धन प्रवाह जारी रख सकते हैं। परिवार के लिए अकेले ही रोटी कमाने वाला एक कामकाजी व्यक्ति सावधि बीमा (टर्म इंश्योरेंस) से यह सुनिश्चित कर सकता है कि उसकी अनुपस्थिति में भी उसका परिवार अपनी वर्तमान जीवनशैली को जारी रख पायेगा।

आसान है जीवन बीमा खरीदना

अब जीवन बीमा खरीदना बहुत सरल और आसान है। असल में, यह कुछ मिनटों में ही किया जा सकता है। अपने क्षेत्र-संबंधी (डोमेन) विशेषज्ञता के साथ प्रौद्योगिकी के लाभ ने कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करना संभव बना दिया है। कोई व्यक्ति चाहे इंटरनेट का जानकार हो या नहीं - अब कोई समस्या नहीं है! ऐसे मंच (प्लेटफ़ॉर्म) हैं, जिन्हें इस खरीद प्रक्रिया को सुविधाजनक बना रहे हैं। इनमें आवश्यकताओं के विश्लेषण के साथ वास्तविक समय में केवाईसी पूरा करना और फॉर्म भरना संभव हो जाता है। इस काम को आप स्वयं भी कर सकते हैं, और जरूरत हो तो सहायता भी ले सकते हैं।

एक पॉलिसी खरीदते समय आप ऑनलाइन तुलना भी कर सकते हैं। सबसे कम प्रीमियम वाली पॉलिसी हमेशा सबसे अच्छी हो, यह आवश्यक नहीं है। अपनी विशिष्ट जरूरतों को समझना और उन जरूरतों के हिसाब से सही उत्पाद को चुनना एक महत्वपूर्ण पहला कदम है। आप एक जानकार (इन्फॉर्म्ड) निर्णय ले सकें, इसके लिए काफी सूचनाएँ ऑनलाइन उपलब्ध हैं। इसमें यदि किसी मदद की जरूरत हो, तो बीमा विशेषज्ञों का एक व्यापक तंत्र भी आपकी सहायता के लिए तत्पर है।

निष्कर्ष : वित्तीय स्वतंत्रता तब होती है, जब आप किसी बाहरी सहायता के बिना अपने दम पर चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार होते हैं। जीवन बीमा उत्पाद आपको आत्मविश्वास के साथ जीवन का सामना करने और अपने दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में काम करने के लिए सक्षम बनाते हैं।

विभा पडलकर
एमडी एवं सीईओ, एचडीएफसी लाइफ